जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 09 प्रभात चूरू, बुधवार 7 मई, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जयराम रमेश के सितारे गर्दिश में हैं केवल सोनिया गांधी का प्रभाव उन्हें बचाये हुए है

पहले जब मल्लिकार्जुन खड़गे उनकी छुट्टी करने वाले थे, ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से तो राहुल गांधी ने उन्हें बचाया था

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 मई। ए आई सी सी महासचिव के रूप में जयराम रमेश का मीडिया प्रभारी पद का प्रभार अधरझूल में प्रतीत हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि उन्हें सोनिया गांधी का समर्थन एवं आशीर्वाद प्राप्त है। उन्हें जब भी अपने ऊपर कोई गाज गिरती महसूस होती है, वे जाकर सोनिया गांधी से मिलते हैं और वे हर बार उनके साथ खड़ी हो जाती हैं।

अभी पिछले सप्ताह ही, जातिगत जनगणना के लिए सहमत हो जाने के प्रधानमंत्री के निर्णय के बाद, राहुल गांधी ने 24, अकबर रोड पर अपनी प्रैस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। उन्होंने कॉन्फ्रेन्स से जाते समय जयराम पर कटाक्ष किया था : "आप तो घटनाक्रम के इस मोड़ पर बड़े परेशान हो रहे होंगे।"

यह सर्वविदित है कि रमेश जातिगत जनगणना के विचार के विरोध में थे तथा जातिगत जनगणना का अनिच्छा से समर्थन कर रहे थे।

- राहुल गाँधी ने भी यह महसूस कर लिया है कि, जयराम रमेश, गलत आदमी हैं, मीडिया के मामले में, तो अब सोनिया गांधी के कारण उनकी नौकरी बरकरार है।
- यह कोई छुपी हुई बात नहीं है, कि जयराम रमेश जातिगत मतगणना के खिलाफ हैं, अतः उन्होंने ए.आई.सी.सी. के मीडिया इंचार्ज होते हुए भी कोई प्रयास नहीं किया पार्टी का पक्ष पत्रकारों के समक्ष रखने के लिए।
- राहुल गांधी चाहते थे, जाति मतगणना के मामले में कांग्रेस की भूमिका को हाई-लाईट करने के लिए देश भर में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित हों, पर जयराम रमेश ने राहुल गांधी के इरादे को जनता के समक्ष लाने के लिए कुछ काम नहीं किया, उनकी यह ही भूमिका अहमदाबाद सैशन के दौरान रही।
- जयराम रमेश के खिलाफ यह बात भी खूब प्रचारित हो रही है, कि, जयराम रमेश, अमित शाह के भारी प्रशंसक हैं, और कई मुद्दों पर शाह की सार्वजनिक रूप से तारीफ करते रहे हैं।

जब राहुल गांधी ने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस मुद्दे पर पूरे देश में प्रैस कॉन्फ्रेस आयोजित की जायें, तो जयराम ने उनके इस निर्देश की अनुपालना नहीं की थी।

अगले दिन जयराम को इस मुद्दे पर प्रैस से बात करनी थी लेकिन उनके पास कहने के लिए कोई नई बात थी ही नहीं, इसलिए उन्होंने सिर्फ वही सब दोहरा दिया, जो राहुल गांधी ने एक दिन पहले अपनी प्रैस ब्रीफिंग में कहा था। बाद में, यह एक ऑन-द-रिकॉर्ड डीब्रीफिंग बन गई।

कोई भी व्यक्ति यह अनुमान लगा सकता है कि वह सब क्या है। काश! कोई उन पर मेहरबानी कर दे और उन्हें बता दे कि डीब्रीफिंग क्या होती है।

हाल ही में अहमदाबाद में हुए ए आई सी सी अधिवेशन में, जयराम दिन भर स्टेज पर बैठे दिखाई देते रहे, लेकिन उन्होंने बंधुआ मीडिया को अंदरूनी पॉइन्ट्स के बारे ब्रीफ करने, और यहां तक कि अधिवेशन पर डीब्रीफिंग की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को सजा सुनाई

जयपुर, 6 मई। जयपुर महानगर प्रथम के सत्र न्यायालय ने सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में बम धमाका करने का धमकी भरा ईमेल भेजने वाले युवक धर्मपाल बिजारणियां को छह माह की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 19 वर्षीय इस अभियुक्त पर दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि अदा नहीं करने पर अभियुक्त को पन्द्रह दिन अतिरिक्त जेल में रहना होगा। पीठासीन अधिकारी नंदिनी व्यास ने अपने आदेश में कहा कि जांच अधिकारी ने अभियुक्त युवक की

- गत वर्ष 15 और 16 फरवरी को अभियुक्त धर्मपाल ने ई-मेल भेजकर अलग-अलग समय जयपुर एयरपोर्ट पर बम विस्फोट की धमकी दी थी।

ओर से अपने मोबाइल में प्रयुक्त की जा रही सिम से यह धमकी भरा मेल भेजा जाना प्रमाणित माना है। एयरपोर्ट से देश-विदेश में उड़ानें जाती है। ऐसे धमकी भरे ईमेल से इनका संचालन प्रभावित होने की संभावना रहती है और आम जन में भी भय उत्पन्न होता है।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक लियाकत खान ने अदालत को बताया कि मामले में टर्मिनल मैनेजर मयंक सोटी ने 23 फरवरी, 2024 को एयरपोर्ट थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेन लाइन टी.वी. चैनल की तुलना में यू-ट्यूब चैनल काफी कष्टदायक लग रहे हैं

कई यू-ट्यूब चैनल को बन्द कराया सरकार ने

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 मई। मोदी सरकार आलोचना के मुद्दे पर और ज्यादा असहिष्णु बनती जा रही है। और अब राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के नाम पर यह बिना किसी नोटिस या चेतावनी के यू ट्यूब चैनल बंद कर रही है।

यू ट्यूब चैनल 4 पी एम को बंद कर दिया और कारण भी नहीं बताया गया कि इसे क्यों बंद किया गया।

और अब वरिष्ठ पत्रकार पुष्य प्रासून वाजपेयी का यू ट्यूब चैनल बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया।

"4 पी एम" के संजय शर्मा सुप्रीम कोर्ट चले गये तथा कोर्ट ने मोदी सरकार को नोटिस जारी करते हुए, 7 दिन के अन्दर इस बात का जवाब मांगा है कि इस चैनल को शट डाउन क्यों किया गया है।

यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि सरकार देश-हित और राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर अपने नियम के बचाव में क्या तर्क देती है।

सम्भवतः इस समय तथाकथित मेनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही ऐसा मीडिया बचा है, जो देशभक्त है तथा अत्यंत संगीन मुद्दों पर सरकार के मत को दोहराता रहता है। इसके साथ ही, यह मीडिया सरकार से असुविधाजनक प्रश्न नहीं करता, तथा सरकार से संबंधित मुद्दों पर बहुत ही ज्यादा वफादार है और मोदी एण्ड कंपनी की प्रशंसा के पुल बांधने में सबसे आगे है।

इसे अब "गोदी मीडिया" कहा जा रहा है क्योंकि इसने नेता के प्रति भक्ति के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया है।

यू ट्यूब चैनल ही तो ऐसे चैनल बचे हैं, जो सवाल पूछ रहे हैं तथा सरकार के मत का आंख बंद कर समर्थन नहीं करते हैं।

आगामी दिनों में, यही देखना बाकी है कि और कितने चैनल बंद किये जायेंगे और कितने पत्रकार सरकार के अनुरूप चलने के लिए अथवा चैनल छोड़ने के लिए बाध्य किये जाते हैं। सरकार ने 14 पाकिस्तानी यू ट्यूब चैनल प्रतिबंधित कर दिये हैं तथा उनमें से कई फेसबुक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- फोर पी.एम. यू-ट्यूब चैनल व वरिष्ठ पत्रकार पुण्य प्रसून बनर्जी के यू-ट्यूब चैनल को बन्द करवाया सरकार ने।
- फोर पी.एम. यू-ट्यूब चैनल के मालिक संजय शर्मा, ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी पेश कर, उनकी चैनल बन्द करवाने के आदेश को चुनौती दी।
- सुप्रीम कोर्ट ने इस अर्जी को सुनकर सरकार को नोटिस दिया, कि, सरकार साथ में जवाब दे कि, फोर पी.एम. चैनल को बन्द करने का क्या कारण है।
- सरकार ने कुछ समय पहले पाकिस्तान के 14 यू-ट्यूब चैनल को बन्द करवाया था, पर ये चैनल अब फेसबुक पर जाकर अपनी बात कह रहे हैं।

राहुल गांधी चुपचाप, बिना पब्लिसिटी के ले. विनय नरवाल के परिवार से मिलने पहुँचे

उन्होंने प्रेस को और पार्टी के नेताओं को उस समय नरवाल के निवास पर प्रवेश करने से रोका जब राहुल शहीद नरवाल के परिवार के साथ बातचीत कर रहे थे

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को करनाल जाकर विनय नरवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की, वो भी बिना किसी मीडिया प्रचार के।

गांधी उस परिवार के साथ 90 मिनट तक रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जिनके साथ मीडिया टीम का होना हमेशा जरूरी होता है, के विपरीत, राहुल गांधी ने साफ निर्देश दिए थे कि दुःख की इस घड़ी में जब वे परिवार से मिल रहे हों तो मीडिया नहीं होना चाहिए। यहां तक कि कांग्रेस के नेताओं को भी बाहर ही रोक दिया गया था।

पहलगाम हमले में मारे गए 26 लोगों में लैफ्टिनैंट नरवाल भी थे।

- राज्य के प्रभारी बी.के. हरि प्रसाद तथा सह प्रभारी विनोद राव, प्रदेशाध्यक्ष उदय भान, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा और पूर्व विधायिका सुमित्रा सिंह, ले. नरवाल के निवास के बाहर ही इन्तज़ार करते रहे, जब तक राहुल परिवार से मिलकर बाहर नहीं आये।

मीटिंग के बाद भी राहुल ने मीडिया से बात नहीं की, बल्कि एक्स पर अपनी संवेदनाएं प्रकट की तथा राष्ट्रीय एकता बनाए रखने पर जोर देते हुए पीड़ितों को न्याय देने की मांग की।

राहुल गांधी ने लिखा, "मैं लैफ्टिनैंट विनय नरवाल जी, जो पहलगाम हमले में शहीद हुए थे, के शोक संतप्त परिवार से मिला, उनके दुःख में भागीदार बना और उन्हें सांत्वना दी।" राहुल ने शहीद के परिवार की हिम्मत की सराहना की और कहा, घोर में दुःख की घड़ी में उनका अदम्य साहस और हिम्मत पूरे देश के लिए एक संदेश देता है कि हमें एकजुट रहना है।"

उन्होंने कहा, पूरा देश शहीदों के परिवारों के साथ है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। उन्होंने कहा, "विपक्ष पूरी तरह से सरकार के साथ है। दोषियों को ऐसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आईओसी 4 सप्ताह में सीतापुरा प्लांट शिफ्ट करने का प्लान बनाये'

जयपुर, 6 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर सीतापुरा स्थित एलपीजी बॉटलिंग प्लांट को सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया से दूसरी जगह शिफ्ट करने के संबंध में आईओसीएल (इंडियन ऑइल कारपोरेशन लिमिटेड) से चार सप्ताह में प्लान बताने के लिए कहा है। वहीं मामले

- हाईकोर्ट ने कहा कि मौजूदा समय में यह बॉटलिंग प्लांट रिहायशी कॉलोनियों, अस्पतालों, स्कूल व कॉलेजों के लिये खतरा बन गया है।

में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को भी पक्षकार बनाए जाने के लिए कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश ओमप्रकाश टांक की जनहित याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान सीजे ने भांकरोटा के पास हुए एलपीजी टैंकर ब्लास्ट मामले का हवाला देते हुए कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व एन.डी.ए. नेता ने राहुल को मुख्य अतिथि बनाया

महादेव जानकर, तालकटोरा स्टेडियम में राजमाता अहिल्या देवी होलकर की तीन सौवीं जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन कर रहे हैं

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। इसे, खास तौर से महाराष्ट्र में, राजनैतिक गठबंधनों के पुनर्निमाण की शुरुआत माना जा सकता है कि महादेव जानकर, जो धनगर (गडेरिया) समुदाय के जाने-माने नेता, तथा भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सहयोगी हैं, ने आज दिल्ली में कांग्रेस नेता तथा लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी से भेंट की।

जानकर, जो राष्ट्रीय समाज पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष हैं, ने गांधी को 31 मई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित एक समारोह के मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया है। यह समारोह पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्या देवी होल्कर की 300 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

जानकर ने कहा, "उन्होंने (राहुल) आमन्त्रण प्राप्त होने पर अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त की तथा समारोह में शामिल होने की सहमति दे दी।" जानकर ने आगे कहा, "अब हम एनडीए का हिस्सा नहीं हैं। भाजपा ने मेरा इस्तेमाल किया और फिर मुझे उपेक्षित कर दिया। मैं ऐसे बड़े कीमती सबक सिखाने के लिये एनडीए का आभारी हूँ। मेरे ख्याल से, अब वह समय आ गया है कि मैं अपनी पार्टी को आगे बढ़ाने पर ध्यान दूँ।"

धनगर समुदाय के नेता जानकर भाजपा नेता स्व. गोपीनाथ मुण्डे द्वारा विचारित सोशल इंजीनियरिंग का हिस्सा थे। मुण्डे के निधन के बाद, वे पंकजा मुण्डे के नज़दीक रहे तथा उन्हें मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस के पहले कार्यकाल में पशुपालन मंत्री बनाया गया। लेकिन, भाजपा में धनगर समुदाय के एक अन्य नेता गोपीचन्द पडालकर के उदय के बाद, जानकर की उपेक्षा कर दी गई। अपनी स्वतंत्र पहचान बनाये रखने की खातिर, जानकर ने अपनी पार्टी का अन्यत्र विलय करना उचित नहीं समझा तथा परभनी सीट से 2024 का लोकसभा चुनाव हार जाने के बाद, एनडीए को छोड़ देने का निर्णय ले लिया।

महाराष्ट्र के शोलापुर, साँगली, बारामती, परभनी तथा सतारा लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में धनगर समुदाय के लोग अच्छी -खासी संख्या में हैं तथा 25-30 से अधिक विधानसभा सीटों के नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं।

जानकर ने कहा, "मैंने महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ राजनैतिक गठजोड़ करने का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। कोई निर्णय लेने में समय लगेगा, क्योंकि कुछ विचार-विमर्श तथा सलाह-मशविरे करने होंगे। लेकिन हमारा लक्ष्य राजनैतिक रुप से आगे बढ़ना है तथा इसके लिये जो भी जरुरी होगा, वह करेंगे।" उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की सफलतापूर्वक माँग करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस निमंत्रण को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों की बदलती वफादारी का प्रमाण माना जा रहा है।
- महादेव जानकर को गोपीनाथ मुण्डे पार्टी में लेकर आये थे, तथा उन्हें देवेन्द्र फड़नवीस के प्रथम शासन काल में मंत्री भी बनाया गया था।
- पर मुण्डे की मृत्यु के बाद, उन्हे महत्व नहीं मिल रहा था, अतः उनकी कांग्रेस से जुड़ने की काफी चर्चा है।

ईरान के विदेश मंत्री आज भारत में

नयी दिल्ली, 06 मई। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास आरग्ची बुधवार को भारत की दो दिन की यात्रा पर यहाँ आ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ. आरग्ची कल दोपहर नयी दिल्ली पहुंचेंगे तथा गुरुवार को वह दोपहर में हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक में शामिल होंगे। वह अपराह्न चार बजे वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट करेंगे और रात में स्वदेश लौट जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की पाकिस्तान पर सामरिक कार्रवाई की तैयारियों के बीच ईरान के विदेश मंत्री की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास आरग्ची की भारत यात्रा को कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत व इंग्लैण्ड ने "फ्री ट्रेड डील" पर हस्ताक्षर किये

टैरिफ वॉर की अनिश्चितता से तंग आकर दोनों देशों ने आपस में व्यापार करने के लिए यह समझौता किया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मई। बढ़ते संरक्षणवाद और टैरिफ के कारण आ रहे व्यापार व्यवधानों के बीच एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में, भारत और यूनाइटेड किंगडम ने एक महत्वाकांक्षी फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफ.टी.ए.) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समझौते को ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया, जो इण्डिया -यू.के कॉम्प्रिहैन्सिव पार्टनरशिप को और गहरा करेगा और दोनों देशों में व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा।

मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर के बीच मंगलवार को हुई फोन बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रुप दिया गया। दोनों देशों ने तीन साल पहले एफ.टी.ए. को अंतिम रुप देने का लक्ष्य तय किया था। शुरुआत में इसे अक्टूबर 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन यूके में राजनीतिक अस्थिरता और ऑटोमोबाइल शुल्क व शराब पर टैक्स जैसे संवेदनशील मुद्दों पर मतभेद के कारण यह बातचीत टलती रही।

मोदी ने "एक्स" (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, "मेरे मित्र प्रधानमंत्री कीर स्टायमर से बात करके खुशी हुई। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत और यूके ने एक महत्वाकांक्षी और परस्पर लाभकारी मुक्त व्यापार समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमैंट) तथा डबल टैक्सेशन कन्वैन्शन समझौता सफलतापूर्वक पूरा किया है। ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहराएंगे तथा व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को गति देंगे।

दोनों नेताओं ने व्यापार के नए अवसरों को खोलने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के रूप में इस एफ.टी.ए. की सराहना की। स्टारमर ने कहा कि यह समझौता यूके की परिवर्तन की योजना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देकर व्यापार बाधाओं को कम करते हुए मजबूत और सुरक्षित अर्थव्यवस्था बनाना है।

- इस समझौते पर तीन साल से बातचीत चल रही थी, पर, किसी न किसी कारण फाइनल नहीं हो पा रही थी। पर टैरिफ वॉर के दबाव ने इन दिक्कतों को दूर करने में अच्छी भूमिका निभाई।

यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब वैश्विक सप्लाई चेन भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही हैं और बहुपक्षीय व्यापार वार्ताएं (मल्टीलेटरल ट्रेड नैगोसिएशन्स) सर्वसम्मति के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में यह द्विपक्षीय समझौता, व्यावहारिक आर्थिक कूटनीति को आगे बढ़ाने की दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत के लिए यह एफटीए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके बाद भारत भिन्न-भिन्न ट्रेड पार्टनर ले सकता है तथा ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग व सर्विसेज़ हब बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को मजबूत कर सकता है। वहीं, यू.के. के लिए, ब्रेक्सिट के बाद की व्यापार नीति में, यह एक महत्वपूर्ण प्रगति है, जो उसकी वैश्विक आर्थिक प्रासंगिकता को पुनः साबित करती है।

यूके सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2024 की चौथी तिमाही तक समाप्त चार तिमाहियों में वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 42.6 बिलियन पाउण्ड था-जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है। भारत का यूके को निर्यात 10.1 प्रतिशत बढ़कर 25.5 बिलियन पाउण्ड हो गया, जबकि यूके का भारत को निर्यात 5.8 प्रतिशत बढ़कर 17.1 बिलियन पाउण्ड पहुंच गया।

उम्मीद की जा रही है कि यह एफटीए व्यापार की इस गति को और तेज़ करेगा। भारत के लिए यह समझौता वस्त्र, दवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसरों को जन्म देगा। भारतीय परिधान निर्यातकों को टैरिफ में कटौती से यूके के खुदरा बाज़ार में प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी। फार्मा कंपनियों को ड्रग अप्रूवल (दवा अनुमोदन) प्रक्रिया में सरलता और इन्टलैक्चुअल प्रॉपर्टी नियमों में स्पष्टता से लाभ मिलेगा।

भारत के खाद्य और कृषि उत्पाद, जैसे चाय, मसाले और बासमती चावल, ब्रिटेन के खुदरा बाजारों में अधिक स्थान बना सकेंगे, वहीं ऑटोमोबाइल पुर्जों के क्षेत्र को भी सरल कस्टम नियमों और कम शुल्क से लाभ मिलेगा, जिससे यूके की मैनुफैक्चरिंग सप्लाई चेन्स के साथ समन्वय बढ़ेगा। ये लाभ भारत के "मेक इन इंडिया" अभियान का सीधे समर्थन करते हैं।

यूके के लिए इस समझौते में, स्कॉच व्हिस्की और वाइन जैसे मादक पेय पदार्थों पर लंबे समय से प्रतीक्षित टैरिफ कटौती भी है-जो कि वार्ताओं में बाधा बनते रहे हैं। ब्रिटेन के फायनैंशियल एवं लीगल सर्विस प्रोवाइडर्स को भी मार्केट तक बेहतर पहुँच और रैगुलेटरी अड़चनों में कमी से लाभ होगा। यह समझौता शिक्षा क्षेत्र में सहयोग को भी प्रोत्साहित करेगा।

निवेश इस समझौते का प्रमुख पहलू है। यह एग्रीमैंट, भारत के स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में भारत के बढ़ते बाजारों पर नज़र रखने वाली ब्रिटिश फर्मों के लिए "रैगुलेटरी क्लेरिटी" और कर स्थिरता प्रदान करता है। इसी प्रकार यूके में कार्यरत भारतीय व्यवसायों को भी अधिक स्थिर नियमों, कम अनुपालन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक रिश्वत प्रकरणः पीए रोहित की तलाश जारी

जयपुर, 6 मई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बीस लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में बांसवाड़ा के बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के पीए रोहित के मामा जसवंत उर्फ लक्ष्मण और उसके परिचित जगराम को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की रिमांड पर सौंप दिया गया। विधायक जयकृष्ण पटेल और उसके चचेरे भाई विजय पटेल को एसीबी फिर से बुधवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगेगी।

ए.सी.बी., विधायक के पीए की तलाश में जुटी है। रोहित की तलाश में एसीबी की टीमों ने मंगलवार को सवाई माधोपुर, वैर भरतपुर सहित, उसके संभावित स्थानों पर दबिश दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मंगलवार को पुलिस ने सवाई माधोपुर, वैर, भरतपुर आदि स्थानों पर रोहित की तलाश में दबिश दी